

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

17 फरवरी 2025 को [जयपुर](#) में संयुक्त क्षेत्रीय [राजभाषा सम्मेलन](#) का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
 - यह सम्मेलन [गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग](#) की ओर से आयोजित किया गया।
- **अतिथि:** मुख्य अतिथिराजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल जबराकेंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय वशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे।
- इस सम्मेलन में केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, [राष्ट्रीयकृत बैंकों](#), सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों से लगभग **3000 लोगों ने भाग लिया**।
- सरकारी कामकाज में हंदी के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को सम्मानित भी किया गया।
- **उद्देश्य:** इस सम्मेलन का उद्देश्य सरकारी विभागों में हंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना था।

हंदी भाषा के बारे में:

- **परिचय:**
 - हंदी एक [इंडो-आर्यन भाषा](#) है, जो मुख्य रूप से [भारतीय उपमहाद्वीप](#) में बोली जाती है। यह [भारतीय संविधान](#) के अनुसार [भारत](#) की प्रमुख [राजभाषा](#) है और यह [भारतीय समाज](#), [संस्कृति](#) और [साहित्य](#) में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।
 - यह दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और [यूनेस्को](#) महा सम्मेलन की दस आधिकारिक भाषाओं में से एक है।
- **इतिहास:** हंदी का विकास [संस्कृत](#) से हुआ है और इसे [भारतीय उपमहाद्वीप](#) में प्राचीन काल से बोला जाता है। समय के साथ, हंदी ने [फारसी](#), [अरबी](#) और [अंग्रेज़ी](#) भाषाओं से भी शब्द ग्रहण किये हैं, विशेषकर [मुगल साम्राज्य](#) और [ब्रिटिश शासन](#) के दौरान।
- **लिपि:** हंदी की लिपि [देवनागरी](#) है, जो [संस्कृत](#) की लिपि से विकसित हुई है। इसमें **11 स्वर** और **33 व्यंजन** होते हैं। [देवनागरी लिपि](#) का उपयोग न केवल हंदी बल्कि कई अन्य भारतीय भाषाओं के लिये भी होता है।
- **भाषायी विविधता:** हंदी भाषा में कई बोलियाँ हैं, जैसे कि [अवधी](#), [भोजपुरी](#), [बरज](#), [हरियाणवी](#), [मारवाड़ी](#) आदि।
- **वसितार:** हंदी न केवल [भारत](#) में, बल्कि [नेपाल](#), [पाकिस्तान](#), [मलेशिया](#), [थाईलैंड](#), [फ़िजी](#) और अन्य देशों में भी बोली जाती है।
- **संविधान में स्थान:** भारतीय संविधान के [अनुच्छेद 343](#) के तहत हंदी को संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। इसके अलावा, हंदी को आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध **22 अनुसूचित भाषाओं** में से एक माना गया है।